पुस्तकालय

2488
14/12/05

7 DEC 2005

असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग]—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

वि० स० मु० (एल० ए०) 219—मामो—1,000—9-6-2004

टर्न-५/ ०७१२-२००५ विजय

अल्पसूचित प्रश्न संख्या-३३ पर पूरक

श्री सुनील कुमारः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी से मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि १५-१६ किलोमीटर है हरनौत विधान सभा क्षेत्र में रहुई प्रखंड है और उस पखंड का अतिमहत्वपूर्ण वह रोड है और इसमें जो हालत है तीन तीन फीट गड्ढा है लेकिन जो रिपोर्ट आया है उस रिपोर्ट में कहा गया है कि रिपेयरिंग कर दिया गया है लेकिन मैं मंत्री जी से आग्रह करना चाहूंगा कि अपने खुद समय निकालकर उसका निरीक्षण कर दें अति खराब रोड है ।

श्री नंद किशोर यादव,मंत्रीः मैंने तो कहा कि हम पूरा कर देंगे अगले वित्तीय वर्ष में ।

अध्यक्षः माननीय मंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा अधूरे कार्य को पूरा किया जाएगा

अल्पसूचित प्रश्न संख्या-३४ - (प्रश्नकर्त्ता सदस्य अनुपस्थित)

अल्पसूचित प्रश्न संख्या-३५

श्री बैद्यनाथ प्रसाद महतो,मंत्रीः १- उत्तर स्वीकारात्मक है ।

२- उत्तर अस्वीकारात्मक है ।

वस्तुस्थिति यह है कि उक्त भवन का उद्घाटन अम्बेदकर भवन के नाम से किया गया है । इसके प्रवेश द्वार के बगल में बाहरी दीवार पर अभी भी उद्घाटन शिलालेख अम्बेदकर भवन के नाम का ही यथावत लगा हुआ है और यह भवन अम्बेदकर भवन के रूप में जाना भी जाता हे ।

परंतु जांच के क्रम में भवन के छज्जी के उपर किन्हीं अज्ञान व्यक्तियों द्वारा अलग से एक छोटा एवं पतला पट्टीनुमा शिलापट्ट लगाया हुआ पाया गया जिस पर रामलखन भगत स्मृति भवन लिखा हुआ है ।

३- छज्जी के उपर राम लखन भगत स्मृति भवन का शिलापट्ट लगाने वाले अज्ञात व्यक्तियों के विरूद्ध स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है ।

श्री शैलेन्द्र कुमार : वह शिलापट्ट हटवा दिया जाय महोदय ।

अध्यक्षः केवल उतना ही नहीं कहा माननीय मंत्री ने कहा कि जो ऐसा किये हैं उसको पता लगाके उस पर कानूनी कार्रवाई भी कर रहे हैं ।

श्री शकील अहमद खांः शिलापट्ट हटवा दीजिये वह अम्बेदकर भवन के नाम पर है ।

श्री बैद्यनाथ प्र० महतो,मंत्रीः अम्बेदकर भवन के नाम पर तो है ही उसको हटवा जाएगा और प्राथमिकी दर्ज भी होगी ।

अल्पसूचित प्रश्न संख्या-३६

श्री नंद किशोर यादव,मंत्रीः १- उत्तर अंशतः स्वीकारात्मक है। वस्तुस्थिति यह है कि इस्लामपुर केवाल राजगीर-गिरियक-पार्वतीपुर पथ जिसकी कुल लम्बाई ६१ कि०मी० है, इसका अंतिम १३ कि०मी० प्रश्नाधीन पथांश है, जिसमें गिरियक से ३ कि०मी० आगे तक पथ की स्थिति अच्छी है । पार्वतीपुर तक शेष पथ की स्थिति विगत १० वर्षो से खराब है । वर्ष ९७-९८ में पूरी लंबाई यथाइसलामपुर से पार्वतीपुर तक ६१ कि०मी० लंबाई में ६६१.२५ लाख रूपये की नक्सल योजना में स्वीकृति प्राप्त हुई थी, जिसके विरूद्ध ५२ कि०मी० प्रारंभिक लंबाई में संवेदक द्वारा

कार्य कराया जा सका है। शेष पथांश में तेल कंपनी से बिटुमैन उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में एकरारनामा में निर्धारित अवधि के अंदर संवेदक को विभागीय विटुमैन इस कार्य हेतु उपलब्ध नहीं कराया जा सका जिसके कारण संवेदक द्वारा कार्य पूरा नहीं किया जा सका ।

प्रश्नाधीन पथांश में नक्सल योजना बंद कर गैर योजना शीर्ष में मरम्मति कार्य कराने का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है । प्रश्नाधीन पथांश के खराब अंशों में सुधार हेतु १५० लाख रूपये की लागत आकलित है जो अगले वित्तीय वर्ष में करा लिया जायेगा ।

श्री सत्यदेव नारायण आर्य : अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि १५२ और ५३ की चर्चा इन्होंने कर दी, मेरा प्रश्न इन्होंने नहीं पढ़ा, पढ़ा जाय इसको गिरियक से कतरी सराय प्रखंड होकर शाहपर जानेवाली पावरी पथ विगत २५ वर्षो से मरम्मत नहीं कराने के कारण पथ गड्ढा का शक्ल धारण कर लिया है । यह पथ जो बिल्कुल धराशाई, गड्ढा हो गया है उसके संबंध में सरकार क्या कहना चाहती है, क्योंकि इसका टेंडर हो चुका, इसका ठेकेदार बहाल हो चुका और उसके बाद भी नहीं बन रहा है, यह हमारा सवाल है, इसको क्लीयर करें, कबतक बनाना चाहते हैं और नहीं तो क्यों ?

श्री नंदकिशोर यादव,मंत्री : महोदय, मैंने बड़ा स्पष्ट कहा कि १५० लाख रूपये की लागत से नक्सल योजना बन्द करके गैर योजना शीर्ष से इस योजना को कराने का प्रस्ताव है और अगले वित्तीय वर्ष में इसको पूरा करा दिया जायेगा ।

श्री सत्यदेव नारायण आर्य : महोदय, मैं नहीं मानता नक्सल पथ । यह पथ इनके विभाग का है । २५ वर्षों से ऐसी स्थिति है,टेंडर पड़ा हुआ है, नहीं होने का क्या कारण है, पैसा उसमें पड़ा हुआ है, सरकारी पदाधिकारी और ठेकेदार की मिलीभगत के चलते नहीं बन रहा है । अगर यह है तथा पैसे का अभाव इसमें नहीं है तो क्यों नहीं बन रहा है?

श्री नंदकिशोर यादव,मंत्री : महोदय, बड़ा स्पष्ट कहा है कि पहले नक्सल योजना से सड़क बन रही थी उसमें बिटुमेन उपलब्ध नहीं होने के कारण ठेकेदार ने काम नहीं किया, अब इसको हमने नक्सल योजना से अलग हटा कर गैर योजना से कराने का निर्णय लिया । अगले वित्तीय वर्ष में इसको पूरा करायेंगे ।

श्री सत्यदेव नारायण आर्य : महोदय, २५ वर्ष गुजर गये अगला वित्तीय वर्ष, अगला वित्तीय वर्ष कहते कहते । नयी सरकार से मैं यह जानना चाहता हूं कि अगले वित्तीय वर्ष में जो कह रहे हैं, पैसे का अभाव है क्या, पैसा अगर उपलब्ध है तो इसी वित्तीय वर्ष में क्यों नहीं कराते हैं ?

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, साफ-साफ माननीय मंत्री ने कहा कि पहले नक्सल योजना में था पथ, अब उससे हटा कर अगले वर्ष गैर योजना से इस कार्य को पूर्ण करायेंगे । इसका आश्वासन दे दिया, अगले वित्तीय वर्ष में पूरा करेंगे ।

श्री सत्यदेव नारायण आर्य : टेंडर हो चुका है, ठेकेदार बहाल हो चुका है, पदाधिकारियों की मिलीभगत के कारण यह रोड नहीं बन रही है, नक्सल का कारण क्यों कह रहे हैं ?

श्री रामाश्रय प्र० सिंह,मंत्री : माननीय सदस्य,श्री रामाधार सिंह का प्रश्न आप ले सकते हैं अध्यक्ष महोदय ।

अल्पसूचित प्रश्न सं०-३७

(व्यवधान)

अध्यक्ष : जब मंत्री खड़े हैं तो कैसे हो सकता है । प्रश्न संख्या-३७ । असल में कई प्रश्नों के बंडल हैं उनके पास ।

श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह,मंत्री : महोदय, १. उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है। भुतही बलान बायां तटबंध के विस्तारीकरण कार्य का २१.४३ किलोमीटर से २१.२८ किलोमीटर तक १.८५ किलोमीटर की लम्बाई में वित्तीय वर्ष २००४-०५ में बाढ़ २००५ के पूर्व किया गया है । भुतही बलान एक उथली नदी है एवं अत्यधिक वेग से बाढ़ के दौरान बहती है जिसके कारण विभिन्न धाराओं में विभक्त होकर बहती है । विस्तारीकृत तटबंध के बीच नदी उपधाराओं में विभक्त होती है । जहां तक तटबंध निर्मित है वहां तक नदी तटबंध के अन्दर सिमट कर बहती है । तटबंध के विस्तार से प्रश्नांकित गांवों में किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई है ।

२. आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है । भुतही बलान में नदी में अत्यधिक सिल्ट आता है जिसके कारण घोघरडीहा,निर्मली रेलमार्ग एवं लिंक रोड का पुल कालांतर में भर गया है ।